साँचा बाबा का दरबार है भजन लिरिक्स

साँचा बाबा का दरबार है,
यहाँ होता चमत्कार है,
हार के जो भी आता यहाँ,
श्याम बनता मददगार है,
सांचा बाबा का दरबार है।bd।

तर्ज – ये तो सच है की भगवान।

पापी हो कपटी हो,
या कोई बेईमान,
एक पल में ही ये,
उसको लेता पहचान,
भाव सच्चे है जिसके अगर,
उसको करता ये स्वीकार है,
हार के जो भी आता यहाँ,
श्याम बनता मददगार है,
सांचा बाबा का दरबार है।bd।

दानी जग में बड़े,
ऐसा दानी नहीं,
इसकी शक्ति का भी,
कोई सानी नहीं,
लाज लुट जाए खुद की चाहे,
भक्तो के खातिर तैयार है,
हार के जो भी आता यहाँ,
श्याम बनता मददगार है,
सांचा बाबा का दरबार है।bd।

काम कैसा भी हो,
बनते देखा यहाँ,
रोती आँखों को भी,
हँसते देखा यहाँ,
है असंभव यहाँ कुछ नहीं,
'मोहित' ऐसा ये दरबार है,
Bhajan Diary,
हार के जो भी आता यहाँ,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

साँचा बाबा का दरबार है,
यहाँ होता चमत्कार है,
हार के जो भी आता यहाँ,
श्याम बनता मददगार है,
सांचा बाबा का दरबार है।bd।

Singer – Ekta Sarraf

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com